

लंबोतरा वि. (तद्.) लंबे आकार वाला, काफी लंबा व्यक्ति।

लंबोदर पुं. (तत्.) लंबे उदर वाला, गणेश (जिसका पेट उन्नत या आगे को निकला हो)।

लँगड़ा पुं. (तद्.) वह व्यक्ति जिसके एक पैर में विकार हो या एक पैर टूटा हो तथा चलने में असमर्थता हो।

लँगड़ाना अ.क्रि. (तद्.) लँगड़ाकर चलना, धीरे-धीरे चलना, चलने में असमर्थ होना।

लँगड़ी स्त्री. (तद्.) 1. वह स्त्री जिसके पैर में विकार हो या पैर टूटा हो तथा चलने में कठिनाई हो (लँगड़ा का स्त्रीलिंग) 2. एक प्रकार का खेल जिसमें एक पैर को उठाकर एक ही पैर से दौड़ने का खेल खेलते हैं, इस खेल को 'लँगड़ी दौड़' भी कहते हैं।

ल पुं. (तत्.) इंद्र काव्य. ह्रस्व या लघु वर्ण के लिए संक्षेप में प्रयुक्त अक्षर 'ल'।

लकड़कोट पुं. (तद्.) लकड़ी के लट्ठों का बाड़ा, लकड़ी की दीवार या परकोटा।

लकड़दादा पुं. (देश.) पितामह या दादा का दादा, वृद्ध, प्रपितामह।

लकड़बग्घा पुं. (देश.) भेड़िया की जाति का एक जंगली जानवर, कहते हैं कि लकड़बग्घा प्रायः गाँवों या शहरों में आकर बच्चों को उठाकर ले जाता है, तरक्षु। hyena

लकड़हारा पुं. (देश.) जंगलों की लकड़ी चुनकर या काटकर अपनी जीविका चलाने वाला व्यक्ति टि. निर्धन ग्रामीण व्यक्ति जंगलों की लकड़ी इकट्ठा करके उनके विक्रय से प्राप्त धन से जीवन-निर्वाह करते हैं।

लकड़ा पुं. (तद्.) बड़े आकार की मोटी लकड़ी, लकड़ी का कटा हुआ मोटा और गोल टुकड़ा (कुंदा)।

लकड़ी स्त्री. (तद्.) 1. वृक्ष से प्राप्त होने वाला उसकी छाल के नीचे का ठोस भाग जो काटने और सुखाने के बाद मकान, फर्नीचर, ईंधन आदि

के काम आता है 2. काष्ठ, काठ 3. ईंधन, जलाने की लकड़ी 4. छड़ी, लाठी, बैसाखी।

लकड़ी-कोयला पुं. (देश.) काठ-कोयला, लकड़ी से प्राप्त कोयला जिसे जमीन के अंदर बंद गड़्ढे या बंद नाली में लकड़ी जलाकर तैयार किया जाता है। charcoal

लकदक वि. (अर.) वनस्पति रहित और खुला मैदान।

लकब पुं. (अर.) 1. उपाधि, खिताब, पदवी 2. गुण, योग्यता या पद का सूचक नाम 3. ऐसा नाम जिससे व्यक्ति के गुणों का पता चले।

लकलक पुं. (अर.) सारस पक्षी वि. लंबी पतली टांगों वाला व्यक्ति, बहुत दुबला पतला।

लकवा पुं. (अर.) एक रोग जिसमें शरीर का कोई अंग या शरीर का आधा हिस्सा (ऊपर-नीचे या दांये-बांये) या अनेक अंग उचित रक्त संचार न होने से निष्क्रिय हो जाते हैं, पक्षाघात।

लकसी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की अंकुश वाली लकड़ी (लंबा डंडा) जिसका उपयोग पेड़ से फल निकालने, छोटी-छोटी सूखी डालों को तोड़ने आदि के लिए किया जाता है।

लकाटी पुं. (देश.) एक प्रकार का बिलौटा (नर बिल्ली) जिसके अंडकोष से एक सुगंधित द्रव्य (मुश्क) निकलता है।

लकार पुं. (तत्.) 1. हिंदी वर्णमाला में 'ल' वर्ण की ध्वनि या 'ल' अक्षर की उपस्थिति 2. संस्कृत व्याकरण में कालों (वर्तमान, भूत, भविष्य) या भावों के अनुसार क्रिया पदों का निर्धारण करने वाला तत्त्व जैसे- लटलकार, लोट लकार।

लकी/लक्की स्त्री. (फा.) कबूतरी, मादा कबूतर।

लकीर स्त्री. (तत्.) 1. रेखा, कागज या भूमि पर लंबाई में सीधे खींची गई पतली रेखा 2. सांप के चलने से जमीन पर बनी रेखा 3. गाड़ी आदि के पहिए के चलने से बना निशान, चिह्न 4. अक्षरों आदि के ऊपर दी जाने वाली पंक्ति 5. रीति, प्रथा, परंपरा जैसे- 'लकीर का फकीर'- बिना सोच विचार के पुरानी रूढ़ियों, प्रथाओं को मानने वाला, अंधानुकरण करने वाला।